शैक्षिक सत्र–2026–27
विषय–<u>सैन्य विज्ञान</u>
कक्षा–11

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

सैन्य विज्ञान का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रीय सुरक्षा, अनुशासन, नेतृत्व और देशभक्ति की भावना को विकसित करना है। यह विषय छात्रों को न केवल परंपरागत और आधुनिक युद्ध तकनीकों की जानकारी देता है, बल्कि उन्हें मानसिक रूप से दृढ़ और रणनीतिक सोच वाला बनाता है। सैन्य विज्ञान के अध्ययन से छात्र सैन्य संरचना, युद्ध कौशल, हथियारों के प्रकार, युद्ध नीति, आपदा प्रबन्धन नागरिक सुरक्षा तथा सीमा प्रबंधन जैसी महत्वपूर्ण अवधारणाओं से परिचित होते हैं। इसका एक प्रमुख उद्देश्य युवाओं में आत्मनिर्भरता और कर्तव्य भावना को जागृत करना होता है ताकि वे संकट के समय देश और समाज की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहें। साथ ही यह विषय नेतृत्व समय प्रबन्धन, सहायोग और निर्णायक क्षमता जैसे जीवनोपयोगी गुणों को भी विकसित करता है। आज के वैश्विक और तकनीकी युग में सैन्य विज्ञान छात्रों को साइबर सुरक्षा, ड्रोन तकनीक, रक्षा संचार और सूचना युद्ध जैसे आधुनिक विषयों से भी परिचित कराता है। इसके माध्यम से छात्र न केवल सैनिक बनने की दिशा में प्रेरित होते हैं, बल्कि वे एक जागरूक, जिम्मेदार और सशक्त नागरिक के रूप में भी विकसित होते हैं, जो राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभा सकते हैं।

सैन्य विज्ञान विषय में 70 अंको का एक लिखित प्रश्न–पत्र 3 घण्टे का होगा। 30 अंकों की एक प्रयोगात्मक परीक्षा होगी। लिखित में उत्तीर्णांक 70 में से 23 अंक होंगे तथा प्रयोगात्मक परीक्षा के लिये 30 अंक में से 10 अंक होंगे। कुल में उत्तीर्णांक 33 अंक होंगे। लिखित तथा प्रयोगात्मक परीक्षा में अलग–अलग उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

इकाई–1–सैन्य विज्ञान :
(अ) परिभाषा, क्षेत्र तथा महत्व।
(ब) राजनीतिशास्त्र, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान एवं विज्ञान व प्रौद्योगिकी से सम्बन्ध।

इकाई–2–थल सेना : 10 अंक
(अ) थल सेना का वर्गीकरण (लड़ाकू, सहायक तथा प्रशासनिक अंगों के आधार पर), आवश्यकता तथा सामान्य ज्ञान।
(ब) पैदल सेना, कवचयुक्त सेना (टैंक) व तोपखाने की विशेषतायें तथा कार्य।
(स) पैदल सेना, बटालियन का संगठन तथा कार्य।
(द) शांति एवं युद्धकालीन थल सेना का संगठन (केवल रूपरेखा)।
(च) भारतीय सशस्त्र सेनायें आणविक प्रक्षेपास्त्र के संदर्भ में।

इकाई–3–वायु सेना : 06 अंक
(अ) भारतीय वायुसेना का संक्षिप्त इतिहास।
(ब) वायु सेना के कार्य।
(स) वायु सेना के विमानों के प्रकारों का सामान्य ज्ञान।

इकाई–4–नौसेना : 07 अंक
(अ) भारतीय स्वतंत्रता के समय नौसेना की स्थिति।
(ब) भारतीय नौसेना के कार्य तथा पोतों के प्रकारों का सामान्य ज्ञान (विमान वाहन पोत, वाहन पोत, विध्वंसक–पोत तथा पनडुब्बियां, फ्रिगेट)।

इकाई–5–भारतीय सैन्य इतिहास तथा युद्ध : 12 अंक
(1) वैदिक तथा महाभारतकाल सैन्य व्यवस्था।
(सैन्य व्यवस्था महाभारत के युद्ध के सन्दर्भ में)।
(2) झेलम का युद्ध 326 ई0 पूर्व।
(3) आचार्य चाणक्य द्वारा वर्णित मौर्य कालीन सैन्य व्यवस्था।

इकाई–6–हिन्दू कालीन सैन्य व्यवस्था : 08 अंक
(गुप्तकाल से हर्ष काल तक संक्षेप में)।

इकाई–7–मुगल युग की सैन्य व्यवस्था : 08 अंक
(केवल पानीपत के प्रथम युद्ध 1526 ई0 के सम्बन्ध में)।

इकाई–8–राजपूत सैन्य व्यवस्था : 07 अंक
(महाराणा प्रताप (हल्दी घाटी की लड़ाई के सन्दर्भ में)।

पुस्तकें

कोई पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालयों के प्रधान विषय अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

प्रयोगात्मक **30 अंक**

(1) मानचित्र पठन

(1) सर्वेक्षण पत्रक (सर्वे ग्रिडमैप) का परिचय, परिभाषा, उपयोगिता, हाशिये की सूचनायें, सांकेतिक चिन्ह, ग्रिड तथा कन्टूर व्यवस्था।

(2) उत्तर दिशायें–प्रकार तथा दिशा ज्ञान के तरीके।

(3) दिक्मान–परिभाषा तथा अन्तर परिवर्तन।

(2) प्रिज्मैटिक दिक्सूचक, सर्विस प्रोटेक्टर तथा सशस्त्र सेनाओं के पद

(1) मानचित्र दिशानुकूल करना (नक्शा सेट करना)।

(2) तीनों सेनाओं के बेसिस ऑफ रैंक की पहचान।

(3) प्रयोगात्मक कार्य की अभ्यास पुस्तिका।

प्रयोगात्मक परीक्षाओं में अंकों का विवरण निम्नलिखित होगा।

(क) मानचित्र पठन। 20 अंक

(ख) प्रिज्मैटिक दिक्सूचक। 05 अंक

(ग) प्रायोगिक अभ्यास–पुस्तिका। 05 अंक

प्रिज्मैटिक दिक्सूचक, सर्विस प्रोटेक्टर तथा प्रायोगिक अभ्यास–पुस्तिका के अंक भौतिक परीक्षा पर भी आधारित होंगे। मानचित्र पठन के सभी प्रश्न–पत्र सर्वेक्षण पत्रांक पर ही होंगे।

सैन्य विज्ञान

अधिकतम अंक 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांक अंक 10 अंक** **समय 04 घण्टे**

नोट :एक टोली में परीक्षार्थियों की संख्या 20 से अधिक न हो। एक दिन में दो टोली से अधिक की परीक्षा न हो।

निर्धारित अंक

1 मानचित्र परिचय–परिभाषा, प्रकार, हाशिये पर दी गयी सूचनाओं को वास्तविक मानचित्र पर पढ़ना तथा हाशिये की सूचनाओं के प्रकार 02

2 मानचित्र निर्देशांक–चार अंकीय एवं छः अंकीय निर्देशांक। 02

3 मापक की परिभाषा, मापक के प्रकार। 02

4 सरल मापक की रचना। 01

5 दिक्सूचकदृनाम, विभिन्न पुर्जों के प्रकार तथा प्रयोग विधि। 01

6 मानचित्र दिशानुकूल करना। 02

7 मौखिक परीक्षा। 05

8 सांकेतिक चिन्ह–चार सांकेतिक चिन्हों को बनाना जिसमें एक सैनिक सांकेतिक चिन्ह अनिवार्य है। 02

9 उत्तर दिशाओं से सम्बन्धित प्रश्न। 02

10 मानचित्र पर ग्रिड दिक्मान नापना। 03

11 दिक्मानों के अर्न्तपरिवर्तन। 03

12 उत्तरान्तरों एवं विशिष्ट दिक्सूचक त्रुटि ज्ञात करना। 02

13 अभ्यास पुस्तिका।

संदर्भित पुस्तकें–

1– सैन्य विज्ञान (कक्षा 11 एवं 12)
लेखक–डॉ0 सुबोध कुमार गुप्ता
प्रकाशन– हिमांशु प्रकाशन, मेरठ, 250001

2– माध्यमिक सैन्य विज्ञान (कक्षा 11 एवं 12)
लेखक– के0एन0 श्रीवास्तव, डॉ0 बी0पी0 सिंह, ए0के0राय
प्रकाशन– चन्द्र प्रकाश एण्ड ब्रदर्स, हापुड़–245101

3– सैन्य विज्ञान (कक्षा 11 एवं 12)
लेखक– डॉ0 भैयाराम सरोज
प्रकाशन– ऋषिकुल प्रकाशन प्रयागराज, मो0 9936243171

4– सैन्य विज्ञान (कक्षा–11 एवं 12)
लेखक– जे0एम0 श्रीवास्तव एवं डॉ0 बी0पी0 सिंह

प्रकाशन– चन्द्र प्रकाश एण्ड ब्रदर्स, हापुड़–245101

5– प्रारम्भिक सैन्य विज्ञान (कक्षा–11 एवं 12)
लेखक– कैप्टन बी0एन0 मालीवाल
प्रकाशन– चन्द्र प्रकाश एण्ड कम्पनी, हापुड़–245101

6– भारतीय सैन्य इतिहास (कक्षा–11 एवं 12)
लेखक– डॉ0 ए0के0 सिंह, जे0एम0 श्रीवास्तव
प्रकाशन–सुकृति, पब्लिकेशन हापुड़–245101

7– भारत का सैन्य इतिहास
लेखक– रामसूरत पाण्डेय

8– भारतीय सैन्य इतिहास और युद्ध के सिद्धान्त
लेखक– लल्लन जी सिंह

9– मानचित्र अध्ययन– हरिशरण

10– सैन्य विज्ञान– डॉ0 एस0के0 मिश्रा, डॉ0 वी0डी0 त्रिपाठी, डी0पी0 सिंह
सुकृति पब्लिकेशन हापुड़।

उपचारात्मक शिक्षण हेतु चार यूनिट टेस्ट निम्नलिखित है–

(i) प्रथम यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)	जुलाई द्वितीय सप्ताह	20 अंक
	(10 अंक ग्रीष्मावकाश गृहकार्य + 10 अंक यूनिट टेस्ट)	
(ii) द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)	अगस्त अन्तिम सप्ताह	20 अंक
(iii) तृतीय यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)	नवम्बर अन्तिम सप्ताह	20 अंक
(iv) चतुर्थ यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)	दिसम्बर अन्तिम सप्ताह	20 अंक

नोट– उपरोक्त यूनिट टेस्ट उपचारात्मक शिक्षण के अन्तर्गत विद्यालय स्तर पर लिये जायेंगे। इनके प्राप्तांक परीक्षफल में सम्मिलित नहीं किये जायेंगे।